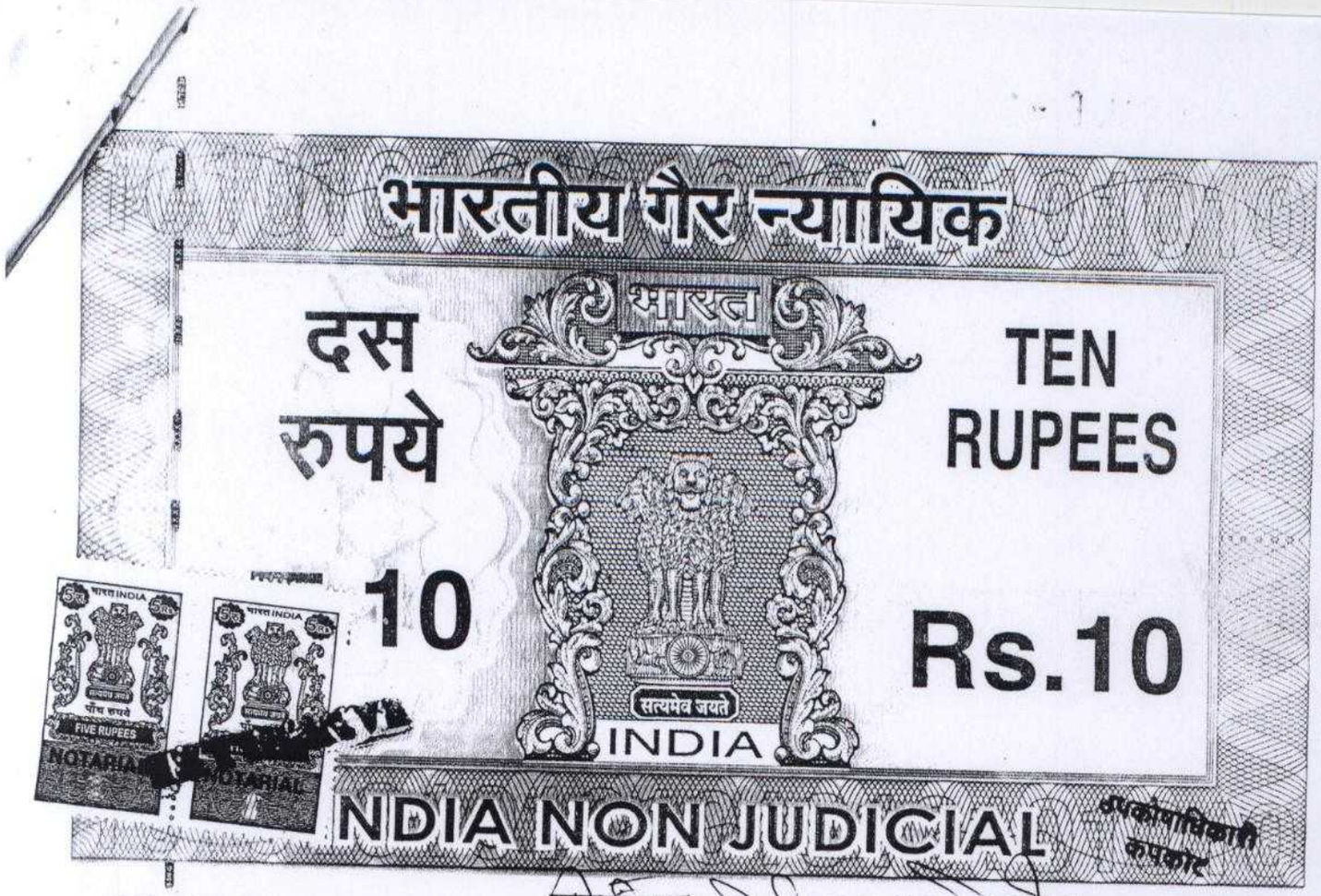

भारतीय गैर न्यायिक

दस रुपये

TEN RUPEES

भारत

सत्यमेव जयते

INDIA

10

Rs.10

भारत INDIA 5 पाँच रुपये FIVE RUPEES NOTARIAL

भारत INDIA 5 पाँच रुपये NOTARIAL

INDIA NON JUDICIAL

उपकोषाधिकारी कपकोट

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

14AA 157614

श्रीमान निर्वाचन अधिकारी
महोदय - कपकोट

शपथ पत्र

मैं कि राम सिंह उम्र- 34 वर्ष पुत्र श्री खुशाल सिंह निवासी- ग्राम- [illegible] पो०- भराड़ी तह. कपकोट जि० बागेश्वर शपथ पूर्वक बयान करता हूँ।

कि उक्त शपथ पत्र के पैरा-1 लगायत 2 तक के सभी शर्तों मेरे द्वारा सभी तथ्य सत्य भरे गये हैं। इसमें मेरे द्वारा कुछ भी नहीं छिपाया गया है। तहसील कपकोट में ज्ञान सत्य होना घोषित करता हूँ।

स्थान- कपकोट
दि० - 6/1/12

राम सिंह
ह० शपथी

NOTARY
N.S. DHARAMSHAKTU
GOVT. OF U.A. (INDIA)

6/1/2012
6/1/12

Sworn & Sign. before me
N.S. DHARAMSHAKTU
Notary Public
KAPKOTE (U.A.)

प्ररूप 26

(नियम 4 क देखिए)

46 कपकोट .... निर्वाचन क्षेत्र से

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

वि०स० क्षे० कपकोट (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ पत्र

मैं ......राम सिंह...... पुत्र/~~पुत्री~~/~~पत्नी~~ ......श्री ...... आयु ......34...... वर्ष, जो ग्राम .... की/की निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ/ शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/करती हूँ :–

1– मै, ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दडंनीय किसी अपराध (अपराधों) का / की अभियुक्त नही हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए है।

(यदि अभिशासी ऐसे किसी अपराध/अपराधों का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी।)

(i) मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्यांए......X......

(ii) पुलिस थाना (थाने)......X......जिला (जिले)............राज्य............

(iii) संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए अभ्यर्थी आरोपित किया गया है......X......

(iv) न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई......X......

(v) तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किया गया था/ किए गए थे......X......

(vi) क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं............ ......X......

2– मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम (1951) (1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अन्तर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न के लिए सिद्वदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास से दंडादिष्ट किया गया है/नहीं किया गया है।

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्वदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा) :

(i) मामला/प्रथम सूचना रिर्पोट संख्या/संख्याएं......X......

(ii) न्यायालय, जिसने दंडित किया है......X......

(iii) पुलिस थाना (थाने)......X......जिला (जिले)......X......राज्य......X......

(iv) संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और उस अपराध (उन अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए अभ्यर्थी कभी आरोपित किया गया है......X......

(v) तारीख (तारीखें) जिनकों दंडादेश सुनाया गया था/सुनाए गए थे......X......

(vi) क्या दंडादेश सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोका गया है/रोके गए है......X...... ....

NOTARY (INDIA)

स्थान– कपकोट

तारीख– /1/2012

राम सिंह

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

<u>सत्यापन</u>

मै, ऊपर नामित अभिसाक्षी, यह सत्यापित और घोषित करता / करती हूँ कि इस शपथ पत्र की अंतर्वस्तु मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है और कोई तात्विक बात छिपायी नहीं गई है।

[illegible] स्थान पर आज तारीख 6/1/12 को सत्यापित किया।

राम सिंह

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

6/1/12

Attested & Regn. before me
[illegible] DHARAMSHAKTU
Notary Public
[illegible]

टिप्पणीः इस प्ररूप के वे स्तंम्भ, जो अभिसाक्षी को लागू नहीं हैं, काट दिए जाएं।